

असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—डपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 330]

्निई विल्ली, मंगलवार, अक्तूबर 18, 1977/ग्रादिवस 26, 1899

No. 330]

NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 18, 1977/ASVINA 26, 1899

# इस भाग में भिम्न पृष्ट संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा का सर्व।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### (Department of Personnel and Administrative Reforms)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th October 1977

- GSR. 649(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following rules, namely—
- 1 Short title—These rules may be called the Indian Police Service (Special Allowance) Rules, 1977
  - 2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, --
    - (a) "leave" means leave as defined in the All India Services (Leave) Rules, 1955,
    - (b) "Service" means the Indian Police Service
- 3. Payment of special allowance to certain members of the service.—(1) A member of the service appointed as—
  - (a) Director, Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hydera bad, or Inspector General of Police designated to be in-charge of the State Police in respect of the States of Andhra Pradesh, Assam, Bihar Gujarat, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir, Karnataka, Kerala, Maharashtra Madhya Pradesh, Orissa, Punjab, Rajasihan, Tamil Nadu, Uttar Pradesh and West Bengal, shall, with effect from the 1st of January, 1973, and

- (b) the Inspector General of Police designated to be in-charge of Delhi Police, shall, with effect from the 1st of April, 1976
- be entitled to a special allowance at the rate of Rs 250 per mensem,
- (2) The special allowance payable under this rule shall also be admissible to a member of the Service referred to in sub-rule (1) when he is on leave for a period not exceeding 120 days, if it is certified that but for his proceeding on leave he would have continued to hold a post to which the special allowance is admissible, but shall not be admissible during periods of suspension or joining time
- 3 Interpretation.—If any question arises as to the interpretation of these rules, it shall be referred to the Central Government who shall decide the same.

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

These rules are being framed to implement the decisions taken by the Government of India to grant special allowance to the members of Indian Police Service holding posts mentioned in clause (a) of sub-rule (1) of rule 3 of these rules in pursuance of the recommendation of the Third Central Pay Commission and to the Inspector-General of Police designated to be in charge of Delhi Police. The special allowance is proposed to be given retrospectively from the date mentioned in rule 3 of the rules. No officer is likely to be adversely affected by the granting of the special allowance from such retrospective dates.

[No. 11030/49/77-AIS. II.] K L. NEGI, Under Secy

### गृहं मंत्रालय

# (कार्मिक एवम् प्रशासनिक सुवार विभाग)

# श्रधिसूचना

नई दिल्ली, 18 श्रक्तुबर, 1977

सा० का० नि० 649(म).—केन्द्रीय सरकार, श्रखिल भारतीय सेवा श्रधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा 1 द्वारा प्रदन मनितयों का प्रयोग करने हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात् निस्निलिखित नियम बनाती है, श्रयीत् —

- 1. **संक्षिप्त नाम** इन नियमों का सिक्षप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (विशेष भत्ता) नियम, 1977 हैं ।
  - 2. परिभाषा.—इन नियमो मे, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—ी
  - (क) "छुट्टी" से प्रखिल भारतीय सेत्रा (छुट्टी) नियम, 1955 मे परिभाषित छुट्टी प्रभिन्नेत है;
    - (ख) ''सेवा'' से भारतीय पुलिस सेवा श्रभिप्रोत है।
- सेवा में से कतियय सदस्यों को विशेष भक्ता का संवाय.—(1) सेवा के ऐसे सदस्य को,
  जिसे—
  - (क) निदेशक, सरदार बल्लमभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी, हैदराबाद या श्रान्ध्र प्रदेश, श्रासाम, ब्रिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, कर्ताटक, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उडीसा, पजाब, राजस्थान, तिमलनाडु, उत्तर प्रदेश श्रीर पश्चिमी बगाल राज्यों की बाबन राज्य पुलिस के भार साबक के रूप में पदाभिहित पुलिस महानिरीक्षक, 1 जनवरी, 1973 से, श्रीर

- (ख) दिल्ली पुलिस के भारसाधक के रूप मे पदाभिहित पुलिस महानिरीक्षक 1 श्राप्रैल, 1976 से, नियुक्त किया गया है, 250 रु० प्रतिमास की दर से विशेष भर्से का हकदार होगा ।
- (2) इस नियम के अधीन सदेय विशेष भत्ता उपनियम (1) मे निर्दिष्ट सेवा के सदस्यों को उस समय भी अनुक्षेय होगा जब वे 120 दिन से अनिधक अविधि तक छुट्टी पर हों और यह प्रमाणित किया गया हो कि यदि वे छुट्टी पर न जाते तो उस पद पर बने रहते जिसके लिए विशेष भत्ता अनुक्षेय है, किन्तु निलम्बिन काल या पदग्रहण अविधि के दौरान अनुक्षेय नहीं होगा।
- 3. निर्वचन यदि इन नियमो के निर्वचन की बाबत कोई प्रश्न उठता है तो उसे वेन्द्रीय सरकार को निर्दिश्ट किया जाएगा जो उसका विनिश्चय करेगी।

### व्याख्यात्मक ज्ञापम

ये नियम तीसरे वेन्द्रीय बेतन श्रायोग की सिफारिशों के श्रनुमरण में इन नियमों के नियम 3 के उप नियम (1) के खण्ड में उल्लिखित पदों पर कार्य कर रहे भारतीय पुलिस सेवा के मदस्यों तथा दिल्ली पुलिस के इन्चार्ज के रूप में पदनामित पुलिस महा निरीक्षक को विशेष भत्ता मजूर करने के वास्ते भारत सरकार द्वारा किए गए निर्णयों को लागू करने के लिए बनाए जा रहे हैं। विशेष भत्तों उक्त नियमों के नियम 3 में उल्लिखित तारीख से पूर्व व्याप्त रूप से दिए जाने का प्रस्ताव है। विशेष भत्तों की ऐसी पूर्व तारीखों से मजूरी के कारण किसी अधिकारी पर प्रतिकृत प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

[स॰ 11030/49 77-अ॰भा॰से॰(2)]

के० एल० नेगी, भ्रवर सचिव ।